RNI No.: DEL/BIL/2004/14598

Youngster

YOUNGSTER · ESTABLISHED 2004 · NEW DELHI · SEPTEMBER 2019 · PAGES 4 · PRICE 1/- · MONTHLY BILINGUAL (HIN./ENG.)

श्री सिद्धि विनायक मंदिर में धूम-धाम से संपन्न हुआ गणेशोत्सव

शिव जी और पार्वती जी की सुंन्दर झॉंकी

श्री गणेश जी की आराधया करती हुई श्री मती कुसुम गुप्ता

08 सितंबर, 2019, दिल्ली ।

श्री गणेश उत्सव आयोजन समिति, रोहिणी, दिल्ली के तत्वावधन में हर साल आयोजित होने वाले श्री गणेशोत्सव कार्यक्रम आज विधिवत रूप से पूजा अर्चना के साथ बड़े धूम–धाम से मनाया गया। आयोजन समिति के संस्थापक डॉ. राम कैलाश गुप्ता, पी. सी. गर्ग (पी.सी. ज्वेलर्स) व समिति के अन्य सदस्यों द्वारा सर्वप्रथम गणेश पूजन व वंदना किया गया। इस विशेष गणेशोत्सव महापर्व पर एक विशाल शोभा यात्रा भी निकाली गई। डॉ. राम कैलाश गुप्ता ने कहा कि ऐसे आयोजन युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति व उसके महत्त्व को समझने में सहायक सिद्ध होते हैं तथा अपनी भारतीय संस्कृति के विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुँचाने का एक सरल और उत्तम साधन है। शोभा यात्रा की शुरुआत डॉ. राम कैलाश गुप्ता, चेयरमैन, टेक्निया ग्रुप, द्वारा झंडी दिखाकर किया गया। शोभा यात्रा में विभिन्न देवी–देवताओं की सुंदर झांकियाँ, बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओं और स्वच्छता पखवाड़ा अभियान की झांकियों के साथ बैंड–बाजे, शहनाई और ढ़ोल–तमाशे बरबस लोगों का ध्यान आकृष्ट कर रहे थे। शोभा यात्रा की अगुवाई टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के बाइक सवारों के एक दस्ते ने की। झांकियों में अष्टावक्र स्कूल ऑफ स्पेशल चिल्ड्रेन, स्पेशल आर्ट स्कूल, टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टीचर्स एजुकेशन, टेक्निया इंटरनेशनल स्कूल और अष्टावक्र इंस्टीट्यूट ऑफ रिहैबीलिषन साइंसेस एंड रिसर्च संस्थान की विभिन्न झांकियाँ शोभा यात्रा में शामिल थीं। शोभा यात्रा पी. सी. ज्वेलर्स, कोहाट एन्क्लेव से शुरू होकर मधुबन चौक होते हुए फायर ब्रिगेड मुख्यालय से कथा स्थल, श्री गणेश मंदिर, अष्टावक्र स्कूल ऑफ स्पेशल चिल्ड्रेन, रोहिणी, सेक्टर 14 में समाप्त हुई। शोभा यात्रा के उपरांत देर शाम तक भक्तों ने आयोजित डांडिया व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया। जगह–जगह शोभा यात्रा का श्रद्धालुओं ने फूल–मालाओं से स्वागत किया। श्री गणेश मंदिर परिसर में शोभा यात्रा के पंहुचने के उपरांत भक्तों द्वारा श्री गणेश जी की महाआरती संपन्न हुई। इस अवसर पर आयोजित विशाल भंडारे का प्रसाद भक्तों ने ग्रहण किया। इस धार्मिक कार्यक्रम में अनेक राजनेता, सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ–साथ टेक्निया ग्रुप के सभी संस्थाओं के शिक्षक, कर्मचारी और छात्र व छात्राओं ने बढ़–चढ़कर प्रतिनिधित्व किया।

> विशाल शोभा यात्रा निकाल, दिया सद्भाव का संदेश।
> धूम–धाम से संपन्न हुआ गणेशोत्सव।
> विशाल भंडारे का हुआ आयोजन।

प्रस्तुतिः-
शम्भू शरण गुप्ता

अर्थव्यवस्था की विकास दर में कमी दिखने का असल कारण समझ लीजिये

पिछले पाँच वर्षों के दौरान केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के उद्देश्य से कई साहसिक कदम उठाए हैं। जैसे, जीएसटी कर प्रणाली को लागू करना, औपचारिक अर्थव्यवस्था के दायरे को विस्तार देने के उद्देश्य से डीमोनेटाईजेशन करना, बड़े–बड़े चूककर्ता ऋणग्राहियों को दिवालिया घोषित करने के उद्देश्य से एनसीएलटी की स्थापना करना, फ्लैट्स मकान ख्रीदने वाले मध्यमवर्गीय जनों के हितों की रक्षा के लिए रेरा कानून को लागू करना, आदि। उक्त नए नियमों के लागू होने के साथ ही, देश में समेकन की प्रक्रिया शुरू हुई है, जो अभी तक जारी है। दरअसल, देश की अर्थव्यवस्था अधिक से अधिक औपचारिक बनने के दौर से गुजर रही है। इसी कारण से भी देश के विकास की दर में कुछ कमी देखने में आ रही है।

समेकन की प्रक्रिया के अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले विपरीत प्रभाव को कम करने एवं देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के उद्देश्य से वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने दिनांक 13 सितम्बर 2019 को कई उपायों की घोषणा की है। इन उपायों का सीधा लाभ देश के आवास एवं निर्यात क्षेत्र को होगा।चूँकि आवास क्षेत्र रोजगार के नए अवसरों का भारी मात्रा में सर्जन करता है, अतः इस क्षेत्र में जान फूँकने के उद्देश्य से देश की वित्त मंत्री ने अपने तीसरे पैकेज में आवास क्षेत्र के लिए कई सौगातों की घोषणा की है। अधूरी पड़ी समस्त आवासीय परियोजनाओं (जो गैर–निष्पादनकारी आस्तियों में परिवर्तित नहीं हुई हैं एवं जिनके विरुद्ध एनसीएलटी में किसी प्रकार का दिवालियापन का मामला लम्बित नहीं है) के लिए रुपए 10,000 करोड़ के फंड की विशेष व्यवस्था केंद्र सरकार द्वारा की जा रही है, ताकि इन अधूरी पड़ी आवासीय परियोजनाओं को शीघ्र ही पूरा किया जा सके। उक्त राशि के साथ ही इन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए बाहरी निवेशकों को भी इन परियोजनाओं में लगभग इतनी ही राशि अर्थात् रुपए 10,000 करोड़ का निवेश करना आवश्यक होगा। इस प्रकार, कुल उपलब्ध राशि बढ़कर रुपए 20,000 करोड़ हो जाएगी। यह राशि सस्ती एवं मध्यमवर्गीय आय आवास परियोजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने में मदद देगी। आवासीय परियोजनाओं को विदेशों से ऋण आसानी से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विदेशी वाणिज्यिक उधारी सम्बंधी नियमों को भी आसान बनाया जा रहा है।

आवास ऋण पर ब्याज की दर को भी बैंकों द्वारा कम किया जा रहा है एवं इसे 10 वर्षीय सरकारी प्रतिभूतियों की यील्ड के साथ जोड़ा जा रहा है ताकि मध्यम वर्गीय लोगों को सीधे लाभ पहुँचाया जा सके। सरकारी कर्मचारियों को भी प्रेरित किया जा रहा है

ताकि वे अधिक से अधिक नए आवासों को खरीदें। देश से निर्यात को बढ़ावा देने के लिए भी कई उपाय किए जा रहे हैं। निर्यातकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से देश से निर्यात किए जाने वाले उत्पादों पर शुल्क एवं करों में छूट की घोषणा की गई है, इससे केंद्र सरकार के खजाने पर रुपए 50,000 करोड़ का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

निर्यात ऋण के लिए, प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के ऋण सम्बंधी नियमों को शिथिल किया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक निर्यातक इकाईयों को इन नए नियमों के अन्तर्गत लाया जा सके। इससे इन निर्यातक इकाईयों को रुपए 36,000 करोड़ से रुपए 68,000 करोड़ के अतिरिक्त ऋण प्रदान किए जा सकेंगे। निर्यात साख गारंटी निगम के निर्यात साख गारंटी सम्बंधी नियमों को भी आसान बनाया जा रहा है ताकि अन्य निर्यात इकाईयों को भी इसके दायरे में लाया जा सके। इससे इन इकाईयों की वित्त लागत कम होगी एवं इनके उत्पाद अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकेंगे। इन नियमों के लागू होने के बाद प्रतिवर्ष रुपए 1,700 करोड़ का अतिरिक्त खर्च आने की सम्भावना है।

विभिन्न देशों के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौतों के लाभ देश के निर्यातकों को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक मिशन की स्थापना भी की जा रही है ताकि देश के निर्यातकों को रियायती टैरिफ की दरों का लाभ दिलाया जा सके। देश के चार प्रमुख महानगरों में प्रतिवर्ष मेगा खरीदारी मेलों का आयोजन बहुत बड़े स्तर पर किया जाएगा, जिसमें हस्तशिल्प, योगा, पर्यटन, वस्त्र एवं चमड़ा उद्योग पर विशेष फोकस रहेगा।

उक्त वर्णित तीसरे पैकेज के अलावा पूर्व में वित्त मंत्री दो पैकेज की घोषणा कर चुकी हैं। प्रथम पैकेज की घोषणा दिनांक 23 अगस्त 2019 को की गई थी। जिसके अंतर्गत, पूँजी बाजार में निवेश को प्रोत्साहित करने हेतु, बैंकों की तरलता की स्थिति में सुधार करने हेतु, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमियों को ऋण का प्रवाह बढ़ाने हेतु, गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों की तरलता की स्थिति में सुधार हेतु, ब्याज दरों में की गई कमी को हितग्राहियों तक पहचाने हेतु, आटोमोबाइल क्षेत्र के विकास को गति देने हेतु कई उपायों एवं सुधारों की घोषणा की गई थी। इसी कड़ी में दिनांक 30 अगस्त 2019 को देश की वित्त मंत्री ने बैंकिंग क्षेत्र को और अधिक मजबूत बनाए जाने के उद्देश्य से कई उपायों की घोषणा की थी। इसमें सरकारी क्षेत्र के बैंकों का आपस में विलय मुख्य रूप से शामिल था।

उक्त उपायों का परिणाम अब अर्थव्यवस्था में दिखने लगा है। एक उदाहरण यहाँ दिया जा रहा है। हाल ही के समय में, उपयोग किए गए व्यावसायिक वाहनों की बिक्री में जबरदस्त उछाल देखा गया है। सरकार द्वारा भी देश में कई नई परियोजनाओं की घोषणा की गई है, इससे व्यावसायिक वाहनों की बिक्री में वृद्धि की सम्भावना बढ़ रही है। एक अनुमान के अनुसार, देश में वर्तमान में यदि 10,830 व्यावसायिक वाहनों का विक्रय प्रति माह संगठित क्षेत्र में किया जा रहा है तो इससे पाँच गुना विक्रय असंगठित क्षेत्र में किया जा रहा है। माँग बढ़ने के कारण, उपयोग किए गए व्यावसायिक वाहनों की कीमत में उछाल देखने में आ रहा है। चूँकि जीएसटी के लागू करने के बाद, चुंगी कर के खत्म करते ही, व्यावसायिक वाहनों के फेरों में तेजी आई है। जिन ट्रांसपोर्टर के पास पूर्व में पाँच वाहन थे अब उनका काम तीन या चार वाहनों से ही चल रहा है। शेष बचे एक या दो वाहन वे बेच देना चाह रहे हैं। साथ ही, देश में हैवी ट्रक की तुलना में लाइट व्यावसायिक वाहनों की माँग में तुलनात्मक रूप से तेजी देखने में आ रही है क्योंकि इनका उपयोग जरूरी चीजों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक लाने के लिए किया जाता है, इनको खरीदने के लिए कम पैसे के निवेश की आवश्यकता होती है, गावों में माल लाने–ले जाने के लिए इनकी माँग बढ़ रही है, इनके लिए वित्त की सुविधा भी आसानी से उपलब्ध है। विकसित देशों में हैवी ट्रक्स एवं लाइट व्यावसायिक वाहनों का अनुपात 1रू3 है, जबकि भारत में यह अनुपात 1रू 2 का भी नहीं है। अतः भारत में इस क्षेत्र में वृद्धि की गुंजाइश बहुत अधिक है। उक्त उदाहरण से यह स्पष्ट है कि देश की अर्थव्यवस्था, समेकन की प्रक्रिया से तेजी से उबरने का प्रयास कर रही है।

युवाओं के लिए रोमांच से भरा कॅरियर है मर्चेंट नेवी

अगर आपको समुद्र की लहरें अपनी ओर खींचती हैं और आपको घूमना–फिरना भी काफी पसंद है तो आप अपने इस शौक से जुड़ा ही कॅरियर विकल्प चुन सकते हैं और वह है मर्चेंट नेवी। अक्सर लोग मर्चेंट नेवी को इंडियन नेवी का हिस्सा समझ लेते हैं, लेकिन वास्तव में यह उससे बिल्कुल अलग है। यह एक कमर्शियल फील्ड है, जिसमें समुद्री जहाजों के जरिये एक जगह से दूसरी जगह सामान और यात्री को लाया ले जाया जाता है। चूंकि यह कार्य बड़े समुद्री जहाज के जरिए किया जाता है और उसके लिए प्रशिक्षित लोगों की जरूरत होती है इसलिए मर्चेंट नेवी में कॅरियर के भी कई विकल्प मौजूद हैं

क्या होता है काम

मर्चेंट नेवी में व्यक्ति अपनी योग्यता व स्किल्स के आधार पर अलग–अलग पदों पर काम करता है। आप वहां पर समंदर के नक्शों से लेकर इलेक्टानिक सामान की देखभाल, शिप का संचालन व यात्रियों को अन्य प्रकार की सेवाएं आदि प्रदान कर सकते हैं।

स्किल्स

चूंकि यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें आपको घर से कई कई दिनों तक दूर रहना पड़ता है, इसलिए मेंटली रूप से आपका इसके लिए तैयार होना जरूरी है। साथ ही आपको अपने काम के प्रति प्यार होना चाहिए, तभी आप लंबे समय तक काम कर पाएंगे। मर्चेंट नेवी में लोगों को टीमवर्क में काम करना होता है, इसलिए आपके अंदर यह गुण होना भी बेहद जरूरी है। वहीं इस क्षेत्र में आपको कभी भी जोखिम भरी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है, इसके लिए भी आपको हमेशा तैयार रहना होता है।

योग्यता

इस क्षेत्र में अलग–अलग पोस्ट के लिए अलग–अलग योग्यता की जरूरत होती है। इस फिल्ड में 10वीं पास से लेकर बीटेक डिग्री वाले लोग अपना करियर देख सकते हैं। हालांकि इस क्षेत्र में समय सीमा निर्धारित है। इस फिल्ड में जाने के लिए आपकी उम्र सीमा 16 से 25 साल के बीच होनी चाहिए। आप अपनी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर कोर्स करके मर्चेंट नेवी में कॅरियर बना सकते हैं। जैसे 10वीं पास वाले व्यक्ति मर्चेंट नेवी में डिप्लोमा कर सकते है। वहीं अगर आपने 12वीं साइंस स्ट्रीम से पास की है तो आप नॉटिकल साइंस, मरीन इंजीनियरिंग, ग्रेजुएट मेकेनिकल इंजीनिर्यस का कोर्स कर सकते है। स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के बाद भी इस क्षेत्र में कदम बढ़ाया जा सकता है। इसके लिए आपके पास ग्रेजुएशन में 50 प्रतिशत अंक व आयु 28 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

संभावनाएं

मर्चेंट नेवी में प्रोफेशनल कोर्स करने के बाद आप काम की संभावनाएं कई जगहों पर व कई पदों तक काम की तलाश कर सकते हैं। आप मालवाहक जहाजों से लेकर कंटेनर जहाजों, टैंकरों, थोक वाहक, और यात्री जहाजों आदि में बतौर रेडियो ऑफिसर, इलेक्टिकल ऑफिसर, जूनियर इंजीनियर, नॉटिकल सर्वेयर व कप्तान के रूप में काम कर सकते हैं। चूंकि इस क्षेत्र में प्राइवेट और सरकारी दोनों कंपनियां काम करती हैं तो आप सरकारी संस्थान में भी नौकरी के अवसर तलाश सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आमदनी आपके पद व अनुभव के आधार पर तय होती है। इस क्षेत्र में शुरूआती सैलरी पद के हिसाब से 15000 से शुरू होकर 50000 तक जाती है। वहीं अनुभव व पद बढ़ने के साथ–साथ आप लाखों में कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

समुद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेरीटाइम, मुंबई

मेरीटाइम फाउंडेशन, चेन्नई

ट्रेनिंग शिप चाणक्य, मुंबई

इंस्टीट्यूट ऑफ मरीनटाइम स्टडी, गोवा

हिन्द इंस्टीट्यूट ऑफ नॉटिकल साइंस एंड इंजीनियरिंग, उत्तरप्रदेश

इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मरीन इंजीनियरिंग, कोलकाता तोलानी मेरीटाइम इंस्टीट्यूट, दिल्ली

महाराष्ट्र एकेडमी ऑफ नेवल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग, पुणे

इंडियन मेरीटाइम यूनिवर्सिटी, चेन्नई

कोयम्बटूर मरीन सेंटर, कोयम्बटूर

–रोहित रावत

THIS MONTH

September 8, 1883 - The Northern Pacific Railroad across the U.S. was completed.

*****

September 8, 1900 - A hurricane with winds of 120 mph struck Galveston, Texas, killing over 8,000 persons, making it the worst natural disaster in U.S. history. The hurricane and tidal wave that followed destroyed over 2,500 buildings.

*****

September 8, 1935 - Louisiana Senator Huey P. Long was shot and mortally wounded while attending a session of the state House of Representatives in Baton Rouge, Louisiana. He died two days later.

*****

September 8, 1941 - The German Army began its blockade of Leningrad, lasting until January 1944, resulting in the deaths of almost one million Russian civilians.

*****

September 8, 1974 - A month after resigning the presidency in disgrace as a result of the Watergate scandal, Richard Nixon was granted a full pardon by President Gerald R. Ford for all offenses committed while in office.

*****

September 9, 1776 - The United States came into existence as the Continental Congress changed the name of the new American nation from the United Colonies.

*****

Compilation:
Honey Shah

BASICS OF MEDIA

Master Control: Nerve center for all telecasts. Controls the program input, storage, and retrieval for on-the-air telecasts. Also oversees technical quality of all program material.

*****

Monitor:(1) Audio: speaker that carries the program sound independent of the line-out. (2) Video: high-quality television set used in the television studio and control rooms. Cannot receive broadcast signals.

*****

Aspect ratio: The width-to-height proportions of the standard television screen and therefore of all analog television pictures: 4 units wide by 3 units high. For DTV and HDTV, the aspect ratio is 16 × 9.

*****

Streaming: A way of delivering and receiving digital audio and/or video as a continuous data flow that can be listened to or watched while the delivery is in progress.

*****

Preview (p/v) Monitor: (1) Any monitor that shows a video source, except for the line (master) and off-the-air monitors. (2) A color monitor that shows the director the picture to be used for the next shot.

To Be Continued In Next Issue-

Compilation:
Rahul Mittal

150वीं जयंती पर यू.एन में बोले मोदी,
जिनसे गांधी जी कभी मिले नहीं वो भी उनके मुरीद थे

एंजेसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पर संयुक्त राष्ट्र में अपने विचार रखते हुए बुधवार को कहा कि गांधी भारतीय थे, लेकिन वह केवल भारत के नहीं थे और यह मंच इसका जीवंत उदाहरण है। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां भारत द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में महात्मा गांधी पर अपने विचार साझा किए। मोदी समेत विश्व के नेताओं ने यहां संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में गांधी सौर पार्क का भी उद्घाटन किया और गांधी की 150वीं जयंती पर संयुक्त राष्ट्र ने उनकी याद में एक डाक टिकट भी जारी किया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्वीट करके बताया कि 'समकालीन युग में महात्मा गांधी की प्रासंगिकता' विषय पर बोलते हुए मोदी ने कहा कि गांधी जी भारतीय थे, लेकिन सिर्फ भारत के नहीं थे। आज यह मंच इसका जीवंत उदाहरण है।मोदी ने कहा कि आप कल्पना कर सकते हैं कि जिनसे गांधी जी कभी मिले नहीं, वे भी उनके जीवन से कितना प्रभावित रहे। मार्टिन लूथर किंग जूनियर हों या नेल्सन मंडेला, उनके विचारों का आधार महात्मा गांधी थे, गांधी जी की सोच थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज लोकतंत्र की परिभाषा का एक सीमित अर्थ रह गया है कि जनता अपनी पसंद की सरकार चुने और सरकार जनता की अपेक्षा के अनुसार काम करे, लेकिन महात्मा गांधी ने लोकतंत्र की असली शक्ति पर बल दिया। उन्होंने वह दिशा दिखाई जिसमें लोग शासन पर निर्भर न हों और स्वावलंबी बनें। उन्होंने कहा, 'महात्मा गांधी ने एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था का बीड़ा उठाया, जो सरकार पर निर्भर न हो। यह सर्वविदित है कि महात्मा गांधी परिवर्तन लाए, लेकिन यह कहना

भी उचित होगा कि उन्होंने लोगों की आंतरिक शक्ति को जगा कर उन्हें स्वयं परिवर्तन लाने के लिए जागृत किया।'

उन्होंने कहा कि अगर आजादी के संघर्ष की जिम्मेदारी गांधी जी पर न होती, तो भी वह स्वराज और स्वावलंबन के मूल तत्व को लेकर आगे बढ़ते। गांधी जी की यह सोच आज भारत के सामने बड़ी चुनौतियों के समाधान का बड़ा माध्यम बन रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बीते पांच वर्षों में हमने जनभागीदारी को प्राथमिकता दी है। चाहे स्वच्छ भारत अभियान हो या डिजिटल इंडिया हो, जनता अब इन अभियानों का नेतृत्व खुद कर रही है। मोदी ने कहा कि गांधी ने कभी अपने जीवन से प्रभाव पैदा करने का प्रयास नहीं किया लेकिन उनका जीवन ही प्रेरणा का कारण बन गया। उन्होंने कहा कि आज हम 'कैसे प्रभावित किया जाए' के दौर में जी रहे हैं लेकिन गांधी जी की सोच थी– 'कैसे प्रेरित किया जाए'।

मोदी ने कहा कि चाहे जलवायु परिवर्तन हो, आतंकवाद, भ्रष्टाचार हो या फिर स्वार्थपरक सामाजिक जीवन हो, गांधी जी के ये सिद्धांत, हमें मानवता की रक्षा करने के लिए मार्गदर्शक की तरह काम करते हैं। मुझे विश्वास है कि गांधी जी का दिखाया यह रास्ता बेहतर विश्व के निर्माण में प्रेरक सिद्ध होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं समझता हूं कि जब तक मानवता के साथ गांधी जी के विचारों का यह प्रवाह बना रहेगा, तब तक गांधी जी की प्रेरणा और प्रासंगिकता भी हमारे बीच बनी रहेगी। इस समारोह में संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, भूटान के प्रधानमंत्री लोते शेरिंग, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जेइ इन, सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लुंग, जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू माइकल होलनेस और न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न समेत कई राष्ट्र प्रमुखों ने हिस्सा लिया।

–आतिश कुमार

एशिया का सबसे स्वच्छ गांव

मावलिननॉन्ग उत्तर पूर्व भारत में मेघालय राज्य के पूर्वी खासी हिल्स जिले का एक गांव है। यह गांव अपनी सफाई के लिए उल्लेखनीय है। मेघालय के मावलिननॉन्ग गांव को लगातार एशिया के सबसे स्वच्छ गांव के रूप में वोट दिया गया है और इसी कारण यह गांव मेघालय के घूमने वाले स्थानों में से एक बन गया हैं। मावलिननॉन्ग को देखने के लिए बड़ी मात्रा में पर्यटक आते हैं। मावलिननॉन्ग गांव की सड़कें देखकर आपको ऐसा लगेगा का ये सड़कें आज–कल में नई बनीं हैं, क्योंकि सड़क पर आपको धूल का कण देखना मुश्किल होगा। सड़कें हमेशा ताजी लगती रहती हैं।मावलिननॉन्ग अपनी सफाई के लिए जाना जाता है और यह कार्य केवल एक इंसान के करने से नहीं हुआ हैं यहां हर काम का एक सिस्टम से किया जाता है। गां को साफ रखने के लिए कचरे को बांस से बने डस्टबिन में इकट्ठा किया जाता है, जिसे एक गड्ढे से निर्देशित किया जाता है और फिर खाद के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। गांव का एक सामुदायिक इसकी पहल अनिवार्य करता है कि सभी निवासी गाँव की सफाई में भाग लें। पॉलिथीन और धूम्रपान पर प्रतिबंध लगा हैं। 2003 तक इस गाँव में केवल 500 व्यक्ति ही रहा करते थे और इस गाँव में सैलानियों का आना जाना भी नहीं था। 2014 तक के आकड़ों को देखे तो मावलिननॉन्ग में लगभग 95 घर हैं। साक्षरता दर 90ः है। कृषि स्थानीय आबादी का मुख्य व्यवसाय है, जिसमें सुपारी मुख्य फसल है। समुदाय में रहने वाले लोग खासी लोग हैं। यह गांव देश भर में अपने सुपारी उत्पादन के लिए भी जाना जाता है। साफ जगह होने के अलावा इस गांव पर प्रकृति मेहरबान हैं, यहां की कुदरती सुंदरता का उदाहरण मावलिननॉग झरना है, जो देखने योग्य है, जो रसीला वनस्पतियों के माध्यम से अपना रास्ता बनाता है और नीचे साफ पानी में उतरता है। यात्रा पत्रिका डिस्कवर इंडिया ने 2003 में गांव को एशिया में सबसे स्वच्छ और 2005 में भारत में सबसे स्वच्छ घोषित किया। इस प्रतिष्ठा ने स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा दिया है।

–रोहित रावत

एशिया का सबसे स्वच्छ गाँव

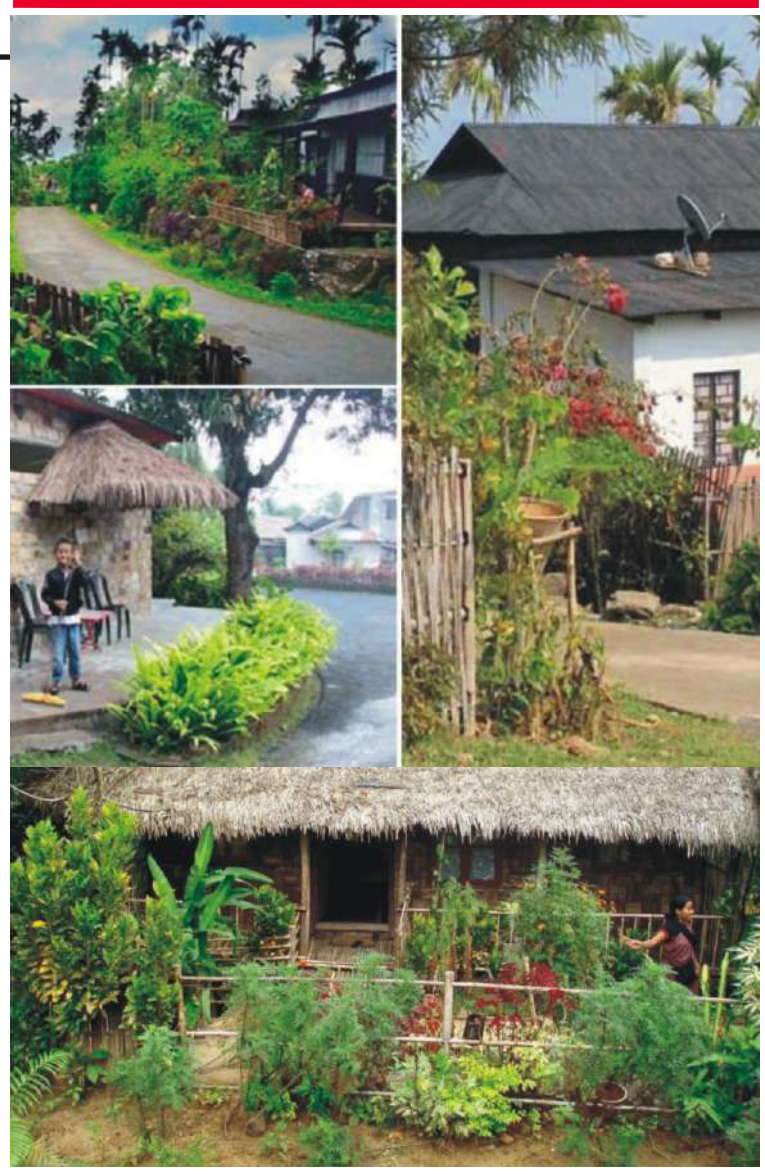

कुदरत की गोद में सुकून भर दो पल बिताने के लिए बेहतरीन जगह है सैंज घाटी

हिमाचल प्रदेश का नाम लेते ही आंखों के आगे हरियाली और ऊंचे–ऊंचे खूबसूरत पहाड़ छा जाते हैं। वैसे तो पूरा हिमाचल ही बहुत खूबसूरत है और शिमला तो मशहूर टूरिस्ट स्पॉट बन चुका है, जहां पूरे साल सैलानियों की भीड़ लगी रहती है, लेकिन आप यदि भीड़ भाड़ से दूर एकांत में सुकून भरे कुछ पल बिताना चाहते हैं, तो हिमाचल की सैंज वैली आपके लिए परफेक्ट जगह है।

कुल्लू जिले में स्थित

कुल्लू जिले में स्थित सैंज वैली अभी तक भीड़ से दूर है, इसलिए यहां आपको असीम शांति का अनुभव होगा। इस घाटी में कई छोटे–छोटे खूबसूरत गांव हैं। जहां सेब और खुबानी की ढेर सारे बगीचे हैं। इसके अलावा यहां सुंदर नदियां और जंगल है जो इसे फोटोग्राफी के लिए बेहतरीन बनाते हैं। सैंज वैली चारों ओर से खूबसूरत पहाड़ों से घिरा हुआ है। रोमांच के शौकीन यहां ट्रेकिंग का आनंद ले सकते हैं और यहां से थोड़ी दूरी पर ही शांगड़ नामक जगह है, जो कुदरती सुंदरता से सराबोर है। सैंल वैली जाने पर आप इन जगहों की सैर अवश्य करें।

पुंडरीक ऋषि झीलः-

नेही गांव में में आप पुंडरीक ऋषि झील देख सकते हैं। स्थानीय लोग इस झील की पूजा करते है इसलिए इसमें कोई नहाता नहीं है। झील के पास ही एक बड़ा मैदान हैं। शाम के समय यहां आकर आपको असीम शांति का अनुभव होगा। मैदान में बैठकर आप कुदरती खूबसूरती का आनंद ले सकते हैं।

शांगड़ः-

यह सैंज वैली में बसा एक बेहद खूबसूरत गांव है। यहां शंगचुल महादेव का मंदिर है, दरअसल यह इस गांव के स्थानीय देवता है। इस गांव तक आपो टैक्सी से आना होगा या रोमांच का आनंद लेना है तो पहाड़ों में घने जंगल के बीच ट्रैक भी कर सकते हैं। शांगड़ में आपको घास का सुंदर मैदान दिखेंगे और इसके किनारे लगे देवदार के पेड़ों का झुंड इसकी सुंदरता में चार चांद लगता है।

सारीकंडाः-

अपर नेही से आप सारीकंडा के तक ट्रैकिंग कर सकते हैं। यह ट्रैक काफी लंबा होगा, इसलिए आपको जल्दी निकलना होगा। सारीकंडा से आपको पूरी बंजार वैली देख सकते हैं, यह नजारा आपके लिए यादगार अनुभव बन जाएगा। यदि आप यहां सर्दियों के मौसम में आते हैं तो बर्फबारी का मजा ले सकते हैं।

दिल्ली से मनाली जाने वाले रास्ते में एक छोटा सा स्टॉप आता है– औट। यहां आने के बाद आपको सैंज रोपा के लिए दूसरी बस लेनी होगी या प्राइवेट गाड़ी से जा सकते हैं। टैक्सी के जरिए भी आप सैंज घाटी के गांव तक पहुंच सकते हैं। कम बजट वालों के लिए यह परफेक्ट डेस्टिनेशन है। क्योंकि यहां रहने के लिए आपको कम कीमत में कई होमस्टे मिल जाएंगे।

-य.ब

Book Exhibition of Hindi Books On Hindi Diwas

Tecnia Institute of Advanced Studies, Delhi organized one day **Book Exhibition** on 16 September 2019 (Saturday) in Tecnia Library, on the Occasion of Hindi Diwas. Anil Kumar Jharotia, Librarian has invited all Faculty members and students for awareness of hindi language. Faculty, staff and students have visited exhibition and read Hindi books in the library. More than 100 titles have been displayed in the exhibition of hindi books which contains biography, media books, fiction, religious books etc.

-Anil Kumar Jharotia, Librarian

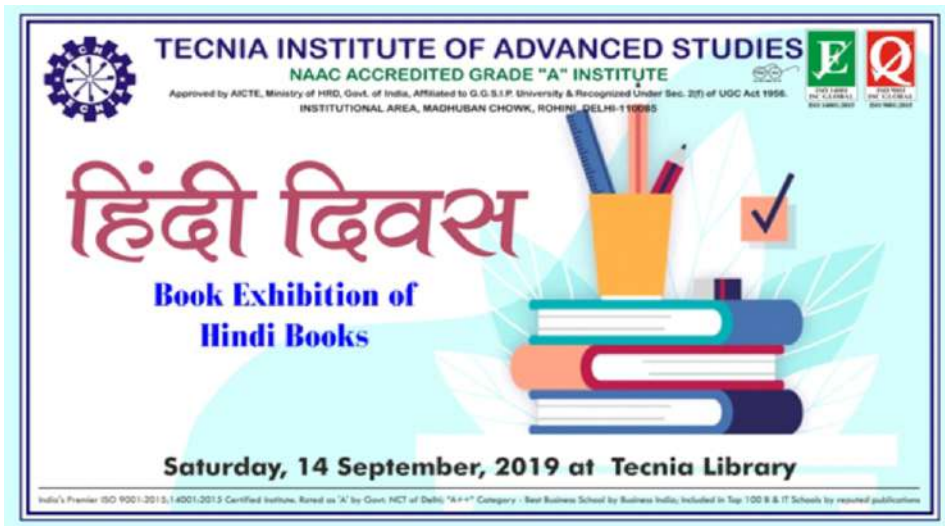

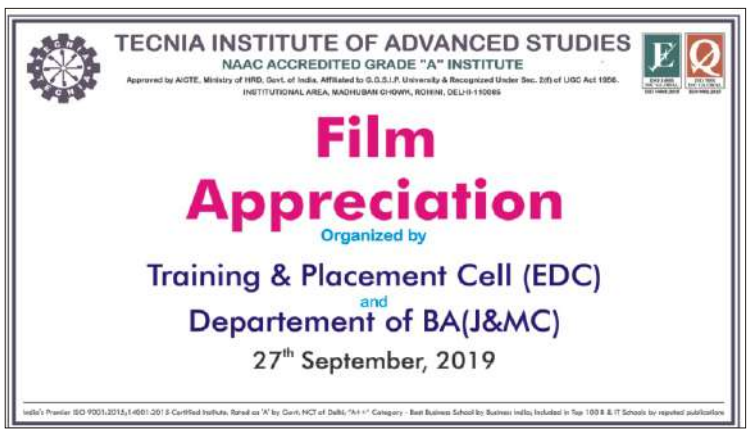

Vol. 14 **No.** 9
RNI No.: DEL/BIL/2004/14598
Publisher: Ram Kailsah Gupta on behalf of Tecnia Institute of Advanced Studies, 3 PSP, Madhuban Chowk, Rohini, Delhi-85; **Printer:** Ramesh Chander Dogra; **Printed at:** Dogra Printing Press, 17/69, Jhan Singh Nagar, Anand Parbat, New Delhi-5
Editor: Rahul Mittal,Bal Krishna Mishra responsible for selection of News
under PRB Act. All rights reserved.

जान जरूरी या माल?

केंद्र सरकार द्वारा मोटर व्हीकल एक्ट में चालान की राशि में भरोतरी को लेके देश में इन दिनों अलग ही बहस उठ गयी है। तेज गति करे दुर्गति, दुर्घटना से देर भली, हेलमेट लगाओ जान बचाओ जैसे और भी सेकड़ो जनजागृति करने वाले नारे अपने हर सड़क, चौराहे और हाईवे पर लिखे मिल जाऐगे। सरकार द्वारा समय समय पर चलाये गए सड़क सुरक्षा अभियान और स्कूली बच्चो द्वारा निकली गयी रैलियो की गिनती भी काम नहीं है । बावजूद इसके राज्य सरकारों द्वारा परिवहन मंत्रालय को सौपी एक रिपोर्ट के आकड़े दिल दहला देने वाले है । रिपोर्ट के अनुसार रोज 28 लोग सड़क दुर्घटना में अपनी जान इसलिए गवा देते है क्युकी उन्होंने हेलमेट नहीं पहना होता । हर रोज 15 लोग इसलिए मर जाते है क्युकी उन्होंने सीट बेल्ट नहीं लगायी होती । वही अभी तक जारी किये गए ड्राइविंग लाइसेंस में से 30: जांच में फर्जी पाए गए। जहां हमारी सालाना जीडीपी की 3: धनराशि सड़क दुर्घटना की वजह से प्रभावित होती है द्य वही उसी रिपोर्ट में सबसे ज्यादा चिंताजनक आकड़ा ये है की सड़क दुर्घटना में अपनी जान गवाने वालो में 68: लोग 18 – 45 साल की उम्र के बीच के युवा है। ये उसी उम्र के युवा है जो अपने परिवार की जिम्मेदारी उठाने की वजाये अपनी एक छोटी सी गलती की वजह से अपनी माँ, बाप, बीवी, बच्चो को रोता छोड़ जाते है। जो युवा कल देश का भविष्या निर्माण करने में सहयोग प्रदान करते वे एक भूल के चलते अपनी जान से हाथ धो बैठते है। इन्ही खौफनाक आकड़ो को मद्देनजर रखते हुए जब केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने 33 साल बाद पहली बार चालान राशि में वृद्धि की तो विपक्ष और कुछ राज्य सरकारों को बेचौनी हो गयी। अपने राजनैतिक स्वार्थ के चलते विपक्ष और कुछ राज्य सरकारे इस कल्याणकारी कदम का भी विरोध करने में नहीं चुके। अब सवाल ये भी है की क्या इन भयानक आकड़ो को देखने के बाद भी सरकार के इस कदम का राजनीतिक हलकों द्वारा विरोध करना क्या जनता और देश के हित में है? मोटर व्हीकल एक्ट में हुए संसोधन को लेके सिर्फ राजनीतिक दाल ही नहीं बल्कि आम जनता भी दो पक्षों में बटी हुई नजर आ रही है। जहाँ एक पक्ष इसका खुले दिल से समर्थन कर रहा है और इसे सड़क दुर्घटनाओं में कमी आने की शुरुआत बता रहा है ,वही दूसरा पक्ष इसका विरोध करते हुए इससे जनता से पैसे ऐठने का नया तरीका बता रहा है। कुछ लोगो का ये भी कहना की सरकार को इतने कड़े नियम लागु करने से पहले लोगो को कागजात पुरे करने का समय देना था। तो वही एक समर्थन करने वाले इसे कड़वी लेकिन असरदार दवाई बता रहे है।लेकिन हमे किसी भी कानून का विश्लेषण करने से पहले कानून बनाने का क्या उद्देश्य होता है उसे समझना होगा। हमे समझाना होगा की भारतीय दंड सहिता का उद्देस्य जनता को सिर्फ सजा देना ही नहीं बल्कि नागरिको के बीच कानून का डर पैदा करना है। वो डर जो उन्हें कोई भी अपराध करने से रोके। जो उन्हें गलत काम करने से पहले हजार बार उसके परिणाम के बारे में सोचने पर मजबूर कर दे। क्युकी अगर जनजागृति करने से ही समाज जिम्मेदार और अपराध मुक्त बनना होता तो आज हिंदुस्तान अपराध की सूची में 65वे स्थान पर ना होता।चालान की राशि में वृद्घि सरकारी खजाने को आर्थिक रूप से मजबूत करना नहीं बल्कि जुर्माने की राशि वसूलने के रूप में उस डर को पैदा करना जिसके फलस्वरूप वे सड़क पर सुरक्षित होके उतरे। क्या अपने वाहन से संभंधित सारे कागजात पुरे रखना हमारी नैतिक जिम्मेदारी नहीं है? क्या हेलमेट पेहेनना हमारा खुद की जान की सुरक्षा के लिहाज से जरूरी नहीं है?

बहरहाल , ये संशोधित कानून जनता के लिए कितना कल्याणकारी साबित होता है और इस नए कानून से सड़क दुर्घटनाओं में कितनी कमी आती है ये तो समय के साथ ही पता चलेगा।

-य.ब

IMPORTANT QUOTES

"I do not consider it an insult, but rather a compliment to be called an agnostic. I do not pretend to know where many ignorant men are sure -- that is all that agnosticism means."

- Clarence Darrow

*****

"Obstacles are those frightful things you see when you take your eyes off your goal."

- Henry Ford

*****

"I'll sleep when I'm dead."

- Warren Zevon

*****

"There are people in the world so hungry, that God cannot appear to them except in the form of bread."

- Mahatma Gandhi

*****

Compilation:
Priya Kumari

WINNERS v/s LOOSERS Part-90

Winner always has a program
Loser always has an excuse.

*****

Winners are a part of the team;
Losers are apart from the team.

*****

Winners makes commitments;
Losers makes promises.

*****

Winners see possibilities;
Losers see problems.

*****

Winners have dreams;
Losers have schemes.

*****

To Be Continued In Next Issue-

Compilation:
Rahul Mittal

All Students and Faculty are welcome to give any Article, Feature & Write-up along with their Views & Feedback at: **youngstertias@gmail.com**